NEP PG DRAFT SYLLABUS- HINDI -W.E.F. FROM ACADEMIC SESSION 2026-27
2-Year PG Programme in Hindi

2-Yr PG - SEMESTER I Credit 4 x 5 = 20 + 2 = 22, Full Marks : 50 x 6 = 300
HIN2PCOR1T हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)
HIN2PCOR2T मध्यकालीन हिंदी काव्य
HIN2PCOR3T भारतीय काव्यशास्त्र
HIN2PCOR4T हिंदी कहानी
HIN2PCOR5T हिंदी उपन्यास
HIN2PAEC01M अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग

2-Yr PG - SEMESTER II Credit 4 x 5 = 20 Full Marks : 50 x 5 = 250

HIN2PCOR6T हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
HIN2PCOR7T आधुनिक हिंदी कविता
HIN2PCOR8T पाश्चात्य काव्यशास्त्र
HIN2PCOR9T अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्य
HIN2PCOR10T समकालीन हिंदी कविता

2-Yr PG - SEMESTER III. Credit 4 x 5 = 20 + 2 = 22, Full Marks: 50 x 6 = 300
HIN2PCOR11T हिंदी निबंध
HIN2PCOR12T हिंदी नाटक
HIN2PDSE01T हिंदी गद्य की विविध विधाओं का विकास
HIN2PDSE02T समकालीन कथा साहित्य
HIN2PDSE3T प्रेमचंद
HIN2PSEC01P हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

2-Yr PG - SEMESTER IV Credit 4 x 6 = 24 Full Marks : 50 x 6 = 300

HIN2PCOR13T शोध प्रविधि
HIN2PCOR14T शोध एवं प्रकाशन नैतिकता
HIN2PCOR15T साहित्य सर्वेक्षण एवं शोध प्रस्ताव लेखन
HIN2PCOR16T शोध प्रबंध लेखन
HIN2PCOR17T शोध प्रबंध जमा करना
HIN2PCOR18T प्रस्तुतीकरण और मौखिकी

Total Credit: 22 + 20 + 22 + 24 = 88

2-Yr PG - SEMESTER I

HIN2PCOR1T हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

Credit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक अध्ययन कराना।
2. साहित्येतिहास लेखन, प्रमुख साहित्येतिहास ग्रंथ एवं दर्शन से परिचय करवाना।
3. विभिन्न कालखंडों का साहित्यिक ज्ञान करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी साहित्येतिहास से परिचित हो सकेंगे।
2. विभिन्न कालखंडों के परिवेश एवं प्रवृत्ति को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थियों को विभिन्न काव्यधाराओं की जानकारी हो सकेगी।

इकाई - 1 : साहित्य इतिहास लेखन

हिंदी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

हिंदी साहित्येतिहास: काल-विभाजन एवं नामकरण

साहित्येतिहास का पुनर्लेखन

आदिकालीन साहित्य : सिद्ध-नाथ, जैन एवं रासो साहित्य

रचनाकार : चंदबरदाई, नरपति नाल्ह, अद्दहमाण, विद्यापति

इकाई - 3 : भक्तिकाल

भक्तिकालीन सामाजिक, सांस्कृतिक परिवेश एवं तत्कालीन मुख्य साहित्यिक प्रवृत्तियां

भक्ति-आंदोलन का अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य

भक्ति की काव्यधाराएं : निर्गुण एवं सगुण

रचनाकार : कबीर, रैदास, दादू, जायसी, तुलसीदास, सूरदास, नंददास, मीरा, ताज बीबी, रसखान

इकाई - 4 : रीतिकाल

काल-विभाजन एवं नामकरण की समस्या

रीतिकालीन साहित्य : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियां एवं शास्त्रीय आधार

रीतिकालीन साहित्य : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

रचनाकार: केशव, बिहारी, देव, मतिराम, घनानंद, बोधा, आलम, ठाकुर, भूषण, गिरिधर कविराय

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी, उत्तर प्रदेश।
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का आदिकाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4. डॉ. नगेंद्र; रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
5. डॉ. नगेंद्र / डॉ. हरदयाल (संपादक); हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
6. सिंह, बच्चन; हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
7. शर्मा, नलिन विलोचन; साहित्य का इतिहास दर्शन, बिहार-राष्ट्रभाषा-परिषद, पटना।
8. वर्मा, रामकुमार; हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।
9. पांडेय, मैनेजर; साहित्य और इतिहास दृष्टि, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद; हिंदी साहित्य का अतीत (भाग 1 एवं 2) वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
11. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली।

2-Yr PG - SEMESTER I

HIN2PCOR2T आदिकालीन और मध्यकालीन हिंदी काव्यCredit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रमकेउद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी कविता की परंपरा से परिचित करवाना।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास के आरंभिक तीन कालखंडों की काव्य प्रवृत्तियों का परिचय देना।
3. आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के प्रमुख रचनाकारों एवं उनकी प्रमुख कृतियों का ज्ञान करवाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी हिंदी कविता की परंपरा से परिचित होंगे।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास केआरंभिक तीन कालखंडों की काव्य प्रवृत्तियों को समझने मेंसमर्थ होंगे।
3. आदिकाल, भक्तिकाल और रीतिकाल के प्रमुख रचनाकारों एवं उनकी प्रमुख कृतियों का ज्ञान होगा।

इकाई - 1 : आदिकाल से रीतिकाल तक : परिचय

हिंदी कविता की विकास-यात्रा आदिकाल से रीतिकाल तक
आदिकाल : काव्य प्रवृत्तियां एवं सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियां
भक्तिकाल : काव्य प्रवृत्तियां एवं सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियां
रीतिकाल : काव्य प्रवृत्तियां एवं सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिस्थितियां

इकाई - 2 : आदिकालीन हिंदी कविता

चंद बरदाई: कयमास वध (पृथ्वीराज रासो): माताप्रसाद गुप्त (संपादक), लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।छंदसंख्या-2, 5, 6, 7, 9, 10, 11, 12, 41, 43

अमीर खुसरो: खुसरो की पहेलियाँ और मुकरियाँ,

इकाई - 3 : भक्तिकालीन हिंदी कविता

कबीरदास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

पदसंख्या 5, 22, 35, 42, 43; साखी– 199, 200, 201

मलिक मुहम्मद जायसी : श्रीवासुदेवशरण अग्रवाल (संपादक), लोकभारतीप्रकाशन, प्रयागराज

नागमती वियोगखंड - 341 से 350 तक

तुलसीदास : रामचरितमानस, गीताप्रेस, गोरखपुर।

अयोध्याकांड - दोहासंख्या 1 से 10 तक(चौपाइयों सहित)

सूरदास : सूरसागरसार, डॉ. धीरेंद्र वर्मा (संपादक), साहित्य भवन प्रकाशन लिमिटेड, प्रयागराज

विनय और भक्ति के पद 1, 2, 3, 9, 12, 14, 16, 18, 23, 25

इकाई - 4 : रीतिकालीन हिंदी कविता

देव : रीतिकाव्य-संग्रह, डॉ. जगदीश गुप्त, साहित्य भवन प्रकाशन लिमिटेड, प्रयागराज

पद संख्या 5, 9, 14, 33, 43

घनानंद: घनानंद ग्रंथावली, कवित्त : मूलग्रंथसे 1 से 15 (कवित्त एवं सवैया)

बिहारी : बिहारी रत्नाकर, श्रीजगन्नाथदास'रत्नाकर', जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

दोहासंख्या 1, 4, 8, 10, 11, 12, 15, 22, 27, 28, 34, 35, 37, 38, 41, 43, 85, 131, 171, 217 (कुल 20)

सहायक ग्रंथ :

1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; हिंदी साहित्य का आदिकाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. द्विवेदी, हजारी प्रसाद; कबीर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. शुक्ल, रामचंद्र; त्रिवेणी, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली।
4. सिंह, नामवर; पृथ्वीराज रासो : भाषा और साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. पांडेय, मैनेजर; भक्ति आंदोलन और सूर का काव्य, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिंह, बच्चन; बिहारी का नया मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
7. शुक्ल, रामचंद्र; भ्रमरगीत सार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
8. शर्मा, रामविलास; भारतीय सौंदर्यबोध और तुलसीदास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. अग्रवाल, पुरुषोत्तम; अकथ कहानी प्रेम की: कबीर की कविता और उनका समय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
10. सिंह, विजयपाल; रीतिकालीन साहित्य कोश, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा लि, दिल्ली।

2-Yr PG - SEMESTER I

HIN2PCOR3T भारतीय काव्यशास्त्र Credit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा को समझाना।
2. प्रमुख काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का अध्ययन कराना।
3. प्रमुख आचार्यों और उनके योगदानों को समझाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. साहित्य, भाषा और काव्य में रूचि रखनेवाले विद्यार्थियों हेतु उपयोगी होगा।
2. भारतीय साहित्य की परंपरा और सौंदर्यबोध को आधुनिक दृष्टिकोण से समझने में सहायक होगा।
3. काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का प्रयोगकविता एवं साहित्य रचने हेतु प्रेरित करने में सहायकहोगा।

इकाई - 1 :काव्य का स्वरूप

काव्य लक्षण

काव्यहेतु

काव्य प्रयोजन

इकाई-2:अलंकार सिद्धांत एवं उसकी मान्यताएं

अलंकार के भेद एवं उपभेद

इकाई - 3 :रीति एवं वक्रोक्ति सिद्धांत

रीति सिद्धांत एवं उसकी मान्यताएं

रीति के भेद-उपभेद, काव्यगुण एवं काव्यदोष

वक्रोक्ति सिद्धांत एवं उसकी मान्यताएं

वक्रोक्ति सिद्धांत के भेद-उपभेद

इकाई - 4 :ध्वनि एवं औचित्य सिद्धांत

ध्वनिसिद्धांत और उसकी मान्यताएं

ध्वनि के भेद-उपभेद

शब्दशक्ति: अर्थ, परिभाषा एवं भेद

औचित्य सिद्धांत और उसकी मान्यताएं

सहायक ग्रंथ :

1. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; रसमीमांसा, पुस्तक प्रतिष्ठान, दिल्ली।
2. चौधरी, सत्यदेव; भारतीय काव्यशास्त्र : सुबोध विवेचन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3.नगेंद्र, डॉ.; रीतिकाव्य की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।
4. नगेंद्र, डॉ.; रससिद्धांत, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, दिल्ली।
5. वर्मा, हरिश्चंद्र; भारतीय काव्यशास्त्र, हरियाणाग्रंथ अकादमी, पंचकूला, हरियाणा।
6. मिश्र, भगीरथ; हिंदी काव्यशास्त्र का इतिहास, हिंदी प्रकाशन लखनऊ विश्वविद्यालय, उत्तरप्रदेश।
7. त्रिपाठी, राममूर्ति; भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2-Yr PG - SEMESTER I

HIN2PCOR4T हिंदी कहानी Credit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी कहानी के स्वरूप से परिचित कराना।
2. विभिन्न कालखंडों की हिंदी कहानी में अभिव्यक्त संवेदनाओं से परिचित होना।
3. हिंदी कहानी के माध्यम से समय और समाज की चिंताओं से अभिहित कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थी हिंदी कहानी की परंपरा से परिचित होंगे।
2. हिंदी कहानी के विभिन्न कालखंडों की संवेदना को समझने में समर्थ होंगे।
3. प्रमुख कहानीकारों की जीवन-दृष्टि का ज्ञान होगा।

इकाई-1

चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' -- उसने कहा था

प्रेमचंद–ठाकुर का कुआँ

अज्ञेय–रोज़

इकाई-2

फणीश्वर नाथ 'रेणु'-- तीसरी क़सम

मोहन राकेश–आर्द्रा

राजेंद्र यादव–टूटना

इकाई-3

उषा प्रियंवदा–वापसी

मन्नू भंडारी–यही सच है

ममता कालिया–परदेसी

इकाई-4

ओमप्रकाश बाल्मीकि–घुसपैठिए

अखिलेश–अंधेरा

उदय प्रकाश–राम सजीवन की प्रेमकथा

सहायकग्रंथ :

1. राय, गोपाल; हिंदी कहानी का इतिहास (तीन खंडों में), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. सिंह, नामवर; कहानी नई कहानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. यादव, राजेंद्र; कहानी : शिल्प और संवेदना, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. अवस्थी, देवीशंकर; नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मधुरेश, हिंदी कहानी का विकास, सुमित प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. यादव, राजेंद्र; एक दुनिया समानांतर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. कमलेश्वर, नयी कहानी की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. त्रिपाठी, विश्वनाथ; कुछ कहानियाँ कुछ विचार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. श्रीवास्तव, परमानंद; कहानी की रचना प्रक्रिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. मिश्र, रामदरश; हिंदी कहानी : अंतरंग पहचान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

2-Yr PG - SEMESTER I

HIN2PCOR5T हिंदी उपन्यास Credit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

1. हिंदी उपन्यास के साहित्यिक तत्वों को स्पष्ट कराना।
2. उपन्यासों के जरिए तत्कालीन और समकालीन सामाजिक, राजनीतिक, और सांस्कृतिक यथार्थको समझना।
3. उपन्यासों के पठन-पाठन सेविद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं, नैतिकता और जीवन-मूल्यों को विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थियों को साहित्य की प्रमुख गद्य विधाउपन्यास के माध्यम से समाज, संस्कृति और मानवीय जटिलताओं से परिचित करना है।

2. तत्कालीन और समकालीन सामाजिक, राजनीतिक, और सांस्कृतिक यथार्थ (जैसे- गाँव-शहर का जीवन, विभाजन की त्रासदी) को गहराई से समझना।
3. मानवीय संवेदनाओं, नैतिकता और जीवन-मूल्यों को विकसित करना।

इकाई-1 प्रेमचंद : गोदान

इकाई-2 श्रीलाल शुक्ल : राग दरबारी

इकाई-3 कृष्णा सोबती : ज़िंदगीनामा

इकाई-4 रणेंद्र : ग्लोबल गाँव के देवता

सहायकग्रंथ :

1. राय, गोपाल; हिंदी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. राय, गोपाल; उपन्यास की संरचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. शर्मा, रामविलास; प्रेमचंद और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. पांडेय, मैनेजर; उपन्यास और लोकतंत्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. मदान, इंद्रनाथ; आधुनिकता और हिंदी उपन्यास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. श्रीवास्तव, परमानंद; उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली।
7. फ़ॉक्स, रालफ; उपन्यास और लोकजीवन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. मिश्र, रामदरश; हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सिंह, बच्चन; उपन्यास का काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. सिंह, त्रिभुवन; उपन्यास का शिल्प और प्रयोग, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

2-Yr PG - SEMESTER I HIN2PAEC01M अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग **Credit 2 Full Marks : 50**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. अनुवाद की आधारभूत समझ विकसित कराना।
2. अनुवाद और भाषा के अंतर्संबंध का परिचय कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. अनुवाद की बुनियादी समझविकसित होगी।
2. अनुवाद के मूल सिद्धांतों का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
3. रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों से अनुवाद के महत्व की जानकारी प्राप्त होगी।

इकाई - 1:अनुवाद सिद्धांत

अनुवाद की अवधारणा- स्रोतभाषा और लक्ष्यभाषा

अनुवाद की प्रक्रिया - पाठ विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन

मशीनी अनुवाद व अनुवाद के उपकरण

भारतीय बहुभाषिकता और अनुवाद का महत्व

इकाई - 2 : अनुवाद कौशल के विविध रूप

भाषिकअंतरण - अंग्रेजी-हिंदी, हिंदी-अंग्रेजी

अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकनकी प्रक्रिया

तत्काल भाषांतरण की प्रविधि

मीडिया अनुवाद - फिल्म अनुवाद (डबिंग और सब-टाइटलिंग)

सहायकग्रंथ :

1. नगेंद्र; अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत और अनुप्रयोग, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

2. गोपीनाथन, जी; अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तरप्रदेश।

3. कुमार, सुरेश; अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

4. गोस्वामी, प्रो. कृष्णकुमार; अनुवादविज्ञानकीभूमिका, राजकमलप्रकाशन, दिल्ली।

5. मुकुल, प्रो. मंजु; मीडिया में अनुवाद का संप्रेषणधर्मी नवीन मॉडल, हंस प्रकाशन, दिल्ली।

6. तिवारी, भोलानाथ; अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रविधि, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

7. Rainer, NI; Echos of Translation: Reading between Texts, University Press Baltimore, USA.

8. Frishberg, NJ; Interpreting: An Introduction, Registry of Interpreters.

9. Poibeau, Thierry; Machine Translation, The MIT Press.

10. Das, Bijay Kumar; A handbook on Translation Studies, Atlantic publishers and Distributor Pvt. Limited, Delhi.

2-Yr PG - SEMESTER IIHIN2PCOR6T हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Credit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. हिंदी साहित्य के इतिहास का विश्लेषणात्मक अध्ययन कराना।
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की विविध पृष्ठभूमियों और प्रवृत्तियों से अवगत होना।
3. आधुनिक हिंदी साहित्य की विविध विधाओं से परिचित होना

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

इकाई -1: हिंदी गद्य का उद्भव और विकास

भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य

1857 की राज्यक्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण

भारतेंदु और उनका युग

इकाई-2:हिंदी पत्रकारिता

पत्रकारिता का आरंभ और उन्नीसवीं सदी की हिंदी पत्रकारिता

हिंदी की समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता

आधुनिकता की अवधारणा

इकाई-3:द्विवेदी युग

महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और 'सरस्वती'

राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि, स्वच्छंदतावाद और श्रीधर पाठक

इकाई-4:छायावाद और परवर्ती साहित्यिक आंदोलन

छायावाद की प्रमुख विशेषताएँ और प्रमुख कवि

प्रगतिवाद और प्रमुख कवि

प्रयोगवाद, नई कविता और प्रमुख कवि

समकालीन साहित्य और प्रमुख रचनाकार

सहायक ग्रंथ :

1. सिंह, बच्चन; आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शुक्ल, रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी।
3. वाजपेयी, नंददुलारे; हिंदी साहित्य: बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग और हिंदी भाश की विकास परंपरा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. शर्मा, रामविलास, महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सिंह, नामवर; छायावाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. देवराज, छायावाद का पतन, वाणी मंदिर प्रेस।
8. शर्मा, नलिन विलोचन; छायावाद और प्रगतिवाद, ज्ञान मंडल लि, वाराणसी।
9. नगेंद्र (सं), हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपरबैक्स, दिल्ली
10. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2-Yr PG - SEMESTER II

HIN2PCOR7T आधुनिक हिंदी कविता Credit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. आधुनिक कविता की सामाजिक, राजनीतिक, सामाजिक परिस्थितियों से अवगत कराना।
2. आधुनिक हिंदी के प्रमुख कवियों के रचना-जगत की व्याप्ति और सांद्रता से परिचित कराना।
3. आधुनिक हिंदी कवियों की रचना-दृष्टि और जीवन-दृष्टि से अवगत कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी कविता के माध्यम से समाज, संस्कृति और मानवीय जटिलताओं से परिचित कराना है।
2. आधुनिक कविता के जरिए तत्कालीन और समकालीन सामाजिक, राजनीतिक, और सांस्कृतिक यथार्थ को गहराई से समझना।

3. आधुनिक कविता के अध्ययन द्वारा विद्यार्थियों में मानवीय संवेदनाओं, नैतिकता और जीवन-मूल्यों को विकसित करना।

इकाई -1 मैथिली शरण गुप्त–साकेत (नवम सर्ग)

जयशंकर प्रसाद–कामायनी (श्रद्धा सर्ग)

इकाई -2 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'–राम की शक्तिपूजा

सुमित्रा नंदन पंत – नौका विहार

महादेवी वर्मा–मैं नीरभरी दुःख की बदली

इकाई-3 सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय'- असाध्य वीणा

गजानन माधव 'मुक्तिबोध'–अंधेरे में

इकाई-4भवानी प्रसाद मिश्र–गीत फ़रोश

नागार्जुन–हरिजन गाथा

सहायक ग्रंथ :

1. मानव, विश्वंभर; आधुनिक कवि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
2. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद; आधुनिक हिंदी कविता, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. गुप्त, जगदीश; नयी कविता: स्वरूप और समस्या, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. नवल, नंदकिशोर; आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
7. सिंह, केदारनाथ; आधुनिक हिंदी कविता में बिंब विधान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. मुक्तिबोध, नई कविता का आत्मसंघर्ष, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. हरदयाल, आधुनिक हिंदी कविता का अभिव्यंजना पक्ष, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
10. जैन, निर्मला; आधुनिक हिंदी काव्य: रूप और संरचना, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।

2-Yr PG - SEMESTER II

HIN2PCOR8T पाश्चात्य काव्यशास्त्र Credit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. पाश्चात्य जगत के प्रसिद्ध काव्यशास्त्रियों जैसे प्लेटो, अरस्तू, कॉलरिज, इलियट, आई.ए. रिचर्ड्स जैसे चिंतकों के काव्य सिद्धांतों द्वारा साहित्य का सैद्धांतिक एवं संवेदनात्मक पहलुओं को उद्घाटित करवाना।

2. काव्यालोचना की विविध पद्धतियों को समझते हुए उन्हें साहित्यिक पाठ के मूल्यांकन और विवेचन में लागू करने की दक्षता अर्जित कराना।
3. आलोचना-सिद्धांतों को साहित्यिक विश्लेषण और व्याख्या में रचनात्मक रूप से प्रयोग कराना।

4. पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. साहित्यिक दृष्टिकोणों में अंतर करना, वैकल्पिक व्याख्याएं प्रस्तुत करना तथा तर्कपूर्ण व विचारोत्तेजक शैली में अपने विचार व्यक्त करना सीखते हैं।
2. आलोचनात्मक सिद्धांतों के माध्यम से साहित्य और समाज के मध्य संबंधों को समझते हुए मानवीय, नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों की पहचान करते हैं।
3. छात्र-छात्राएं आलोचना, लेखन, शिक्षण और संपादन जैसे क्षेत्रों में अपने विश्लेषणात्मक और व्याख्यात्मक कौशल के माध्यम से व्यावसायिक अवसरों के लिए तैयार होते है।

इकाई1:

प्लेटो के काव्य सिद्धांत

अरस्तू: अनुकरण सिद्धांत,

त्रासदी विवेचन,विरेचन सिद्धांत

इकाई 2 :

वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा-सिद्धांत

कॉलरिज कल्पना और फैंटेसी

इकाई 3:

टी०एस०इलियटःनिर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की अवधारणा

आई०ए०रिचर्ड्स: मूल्यसिद्धांत तथा संप्रेषण का सिद्धांत

इकाई4:

आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, रूसी रूपवाद, कल्पना, मिथक, फंतासी, रूपक, प्रतीक और बिंब ।

सहायक ग्रंथ :

1. मिश्र, भगीरथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. शर्मा, देवेंद्रनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर बुक्स, दिल्ली।
3. बाली, तारकनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
4. बाली, तारकनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
5. मिश्र, सत्यदेव; पाश्चात्य काव्यशास्त्र: अधुनातन संदर्भ, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज।
6. जैन, निर्मला, बाँठिया, कुसुम; पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. सिन्हा, सावित्री; पाश्चात्य काव्यशासत्र की परंपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।

2-Yr PG - SEMESTER II

HIN2PCOR9T अस्मितामूलक विमर्श और हिंदी साहित्यCredit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा से परिचित कराना।
2. हिंदी साहित्य में अस्मितामूलक विमर्शों की परंपरा से अवगत कराना।
3. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से साहित्य के प्रति आलोचनात्मक समझ और सामाजिक चेतनाविकास से अवगत कराना है।

पाठ्यक्रमअध्ययनकेपरिणाम (Course Learning Outcomes):

1. मानवीय संवेदना और समताज्ञान अर्जन करना।
2. सांस्कृतिक और सामाजिक चेतना से परिचित होना।
3. हाशिए के समाज और उसके प्रति संवेदना को विकसित करना।

इकाई 1: अस्मितामूलक विमर्श: स्वरुप, संभावनाएं और चुनौतियां
दलित विमर्श: अवधारणा और आंदोलन, फुले और आंबेडकर
स्त्री विमर्श : अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय) रैडिकल, उदारवादी, यौनिकता, लिंगभेद, पितृसत्ता
आदिवासी विमर्श: अवधारणा और आंदोलन

इकाई2: विमर्श-मूलककथा-साहित्य
ओमप्रकाश बाल्मीकि :सलाम
हरिराम मीणा - धूणी तपे तीर (पृष्ठसंख्या: 158 से 167 तक)
रोज केरकेट्टा - फिक्स्ड डिपॉजिट

इकाई 3 :विमर्श-मूलककविता
कविता का दलित-स्वर :
अछूतानन्द - दलित कहाँ तक पड़े रहेंगे
नगीनासिंह - कितनी व्यथा
माताप्रसाद - सोनवा का पिंजरा
कविता का स्त्री-स्वर :
कीर्ति चौधरी - सीमारेखा
कात्यायनी - सात भाइयों के बीच चम्पा
सविता सिंह - मैं किसकी औरत हूँ

कविता का आदिवासी-स्वर :
ग्रेसकुजूर - हे समय के पहरेदारो
निर्मला पुतुल - तुम्हारे एहसान लेने से पहले सोचना होगा हमें
अनुज लुगुन - ससनदिरी

इकाई 4 :विमर्शमूलक अन्य विधाएँ

प्रभाखेतान - अन्या से अनन्या (पृष्ठ संख्या 28 से 42 तक)

तुलसीराम - मुर्दहिया (अध्याय 4: 'मुर्दहिया के गिद्ध तथा लोकजीवन')

सहायक ग्रंथः

1. खेतान, प्रभा; स्त्री उपेक्षिता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. फुले, ज्योतिबा; गुलामगिरी, सुधीर प्रकाशन, वर्धा।
3. प्रभा खेतान; उपनिवेश में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. दुबे, अभय कुमार(सं); आधुनिकता के आईने में दलित, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. टाकभौरे, सुशीला; शिकंजे का दर्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. लिंबाले, शरण कुमार; दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. मीनू, रजतरानी,हिंदी दलित कथा साहित्य अवधारणाएँ और दिशाएँ,अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स नई दिल्ली।
8. जैन, अरविंद; औरत होने की सजा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी अस्मिता का संकट, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. तोपनो, हेरॉल्ड एस; आदिवासी और विकास का भद्रलोक, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
11. नैमिशराय, मोहनदास; दलित आंदोलन का इतिहास (खंड 1-4), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

2-Yr PG - SEMESTER II

HIN2PCOR10Tसमकालीन हिंदी कविताCredit 4 Full Marks : 50

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

1. युगीन यथार्थ की समझ से परिचित कराना।
2. काव्य प्रवृत्तियों से अवगत कराना।
3. प्रमुख संवेदनाओं का बोध कराना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

1. सांस्कृतिक अस्मिता का बोध होना।
2. सामाजिक-राजनीतिक चेतना का विकास होना।
3. आलोचनात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना।

इकाई 1 : कुँवरनारायण– चक्रव्यूह,बाज़ारों की तरफ़ भी, आजकल कबीरदास
केदारनाथ सिंह : बनारस, दाने, सृष्टि पर पहरा

इकाई 2 : राजेश जोशी–बच्चे काम पर जा रहे हैं, मारेजाएंगे, झाड़ू की नीतिकथा

अरुणकमल - एकालाप,नये इलाके में,निर्बल के गीत

इकाई 3 : मंगलेश डबराल–पहाड़ पर लालटेन,सभ्यता, नया डर

अनामिका- कूड़ा बीनते बच्चे,नमक,बेजगह

इकाई 4 :जितेंद्र श्रीवास्तव–जरूरजाऊंगा कलकत्ता,सोनचिरई,बिलकुल तुम्हारी तरह
जसिंता केरकेट्टा --गुलाम,क्या लौटा सकोगे?, रिसता हुआ दर्द

सहायक ग्रंथः

1. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. शर्मा, रामविलास; नईकविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. तिवारी, विध्वनाथ प्रसाद; आधुनिक हिंदी कविता, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
4. श्रीवास्तव, परमानंद; समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़।
5. नवल, नंदकिशोर; समकालीन काव्ययात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. सिंह, नामवर; कविता की जमीन और जमीन की कविता, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. अरबिंदाक्षन, ए; समकालीन हिंदी कविता, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली।
8. जोशी, राजेश; समकालीनता और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. गुप्ता, रमणिका; आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. श्रीवास्तव, जितेंद्र; नए विमर्श और समकालीन कविता, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली।